

श्री श्री रवि शंकर

Sri Sri Ravi Shankar




पद्म विभूषण

Padma Vibhushan



राष्ट्रपति से अलंकरण प्राप्त करते हुए

Receiving the decoration from the President



# श्री श्री रवि शंकर

श्री श्री रवि शंकर (जो गुरुदेव भी कहे जाते हैं) पूरे विश्व में सम्मानित आध्यात्मिक गुरु और मानववादी नेता हैं।

2. आपका जन्म दक्षिण भारत में 13 मई, 1956 को हुआ। आप एक प्रतिभाशाली बालक थे। चार वर्ष की आयु में आप भागवद गीता के भागों को सुनाने में सक्षम थे और आप बहुधा ध्यानरत पाए जाते थे। आपने वैदिक साहित्य एवं भौतिकी दोनों में डिग्रियां प्राप्त की हैं। वर्ष 1981 में, आप शिमोगा, कर्नाटक में दस दिनों की अवधि तक साधना में चले गए जिसके दौरान आपको सुदर्शन क्रिया, एक शक्तिशाली श्वसन तकनीक का बोध हुआ। ज्योंहि आपने इस ज्ञान को साझा करना शुरू किया, आर्ट ऑफ लिविंग ने एक वैश्विक मानववादी आंदोलन का रूप ले लिया। शैक्षिक एवं स्व–विकास कार्यक्रम तनाव को दूर करने तथा कुशलता की भावना पैदा करने के लिए शक्तिशाली साधन प्रदान करते हैं। ये पद्धतियां पूरे विश्व में और समाज के सभी स्तरों पर प्रभावी साबित हुई हैं। पिछले 35 वर्षों में, आर्ट ऑफ लिविंग आंदोलन ने 155 देशों में 370 मिलियन लोगों की जिंदगियों को प्रभावित किया है। आप वेद विग्नम महाविद्यापीठ के संस्थापक भी हैं।

3. आपने 1997 में इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर ह्यूमन वेल्यूज (आई ए एच वी) की भी स्थापना की जिसका मुख्यालय जेनेवा, स्वीटरजरलैंड में है। आई ए एच वी, आर्ट ऑफ लिविंग के साथ मिलकर सतत विकास परियोजनाओं, द्वन्द्व निराकरण पहलें तथा आपदा राहत प्रयासों का समन्वय करता है। हर पल को उत्साह के साथ सेवा में व्यतीत करके, आपने लाखों व्यक्तियों को मानववादी पहलों में लाने तथा अभिनव परियोजनाएं शुरू करने, सामाजिक विकास के लिए दोहराए जाने योग्य, आरोह्य तथा स्थायी मॉडल सृजित करने के लिए प्रेरित किया है। आर्ट ऑफ लिविंग और आई ए एच वी आज सबसे बड़े स्वयंसेवी आधारित संगठन हैं जो द्वन्द्व निराकरण, आपदा एवं अभिघात राहत, पर्यावरण संरक्षण तथा जल संसाधन पुनरुत्पादन, गरीबी उपशमन और ग्रामीण विकास, भ्रष्टाचार उन्मूलन, शिक्षा, समुदाय एवं व्यक्ति सशक्तिकरण, कैदी पुनर्वास तथा समान अवसर अभियानों के क्षेत्रों में वैश्विक पहलें करते हैं। कोलम्बिया से लेकर विद्रोह प्रभावित भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र तक, आप घातक आतंकवादी समूहों को भी शांति की राह दिखाते हैं तथा पूरे मानव समुदाय के द्वन्द्वों के पीड़ितों के लिए मन की शांति लाते हैं।

4. आपने इंडिया अगेंस्ट करप्शन की स्थापना की। आप क्वालिटी कंट्रोल ऑफ इंडिया योगा सर्टिफिकेशन कमिटी के अध्यक्ष और अमरनाथ श्राइन बोर्ड के सदस्य हैं (भारत के जम्मू एवं कश्मीर की राज्य सरकार द्वारा नियुक्त)। आप श्री श्री विश्वविद्यालय के चांसलर भी हैं। आपने पुरातन ज्ञान, जिसे पारम्परिक रूप से गुप्त रखा गया था, की गहन व्यवस्था के साथ योगा एवं वेदांता के सार का रहस्योद्घाटन किया।

5. आपको द्वन्द्व निराकरण तथा शांति एवं मानव मूल्यों के संवर्धन के क्षेत्रों में मानवता के प्रति आपके योगदान के लिए कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है जिनमें 'नेशनल ऑर्डर ऑफ मेरिटो डी कम्यूनेरोस' प्रारवे का सर्वश्रेष्ठ सिविल पुरस्कार 2012, 'ऑर्डेन डी ला डेमोक्रेसिया सिमॉन बोलीवर– कोलंबिया का सर्वश्रेष्ठ सिविलियन पुरस्कार, 2015, लिमा, पेरु के नगरपालिका ह्यूमेनिटेरियन पुरस्कार 2015, डॉक्टोरेट ऑनोरिस काउसा, यूनिवर्सिदाद ऑटोनोमा डी एसूनसियॉन ऑफ प्राग्वे, 2012, ब्यूनस आयर्स विश्वविद्यालय से डिप्लोमा ऑफ ऑनरय ऑनोरिस काउसा डॉक्टर, सिग्लो XXI युनिवर्सिटी कैम्पस, कोरडाबा, अर्जेंटिना, 2012, रियो में टिराडेन्ट्स मेडल, रियो डी जेनेरियो स्टेट का सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार, 2012, क्रेन्स मोनटाना फोरम अवार्ड, ब्रूसेल्स, 2011, ऑर्डर ऑफ द पोल स्टार, मंगोलिया, 2006, भारत शिरोमणि पुरस्कार, नई दिल्ली, भारत, 2004, भारत के राष्ट्रपति द्वारा टाइटल ऑफ योगा शिरोमणि (योगा की उच्चतम उपाधि) अंडीन पार्लियामेंट (बोलिविया, कोलंबिया, एक्वाडोर एवं पेरू) ने भी अपनी सर्वश्रेष्ठ डिग्री, 'मेडेला डी ला इन्टीग्रेसन इन एल ग्रेडो डी ग्रान आफिशियल' आपको लिमा, पेरू में उनके जनरल सेकरेटारिएट में प्रदान की गई। आप यह पुरस्कार प्राप्त करने वाले पहले भारतीय हैं।

# Sri Sri Ravi Shankar

Sri Sri Ravi Shankar (also called Gurudev) is a universally-revered spiritual master and a humanitarian leader.

2. Born on May 13, 1956 in Southern India, Sri Sri Ravi Shankar was a gifted child. By the age of four, he was able to recite parts of The Bhagavad Gita and was often found engrossed in meditation. He holds degrees in both Vedic literature and physics. In 1981, he entered a ten-day period of silence in Shimoga, Karnataka, during which he cognized the Sudarshan Kriya, a powerful breathing technique. As he began sharing this knowledge, the Art of Living developed into a global humanitarian movement. The educational and self-development programs offer powerful tools to eliminate stress and foster a sense of well-being. These practices have proven effective globally and at all levels of society. Over the last 35 years, the Art of Living movement has touched the lives of over 370 million people in 155 countries. He is also the founder of Ved Vignan Mahavidyapeeth.

3. Sri Sri Ravi Shankar founded the International Association for Human Values (IAHV), headquartered at Geneva, Switzerland in 1997. IAHV in association with Art of Living co-ordinates sustainable development projects, conflict resolution initiatives and disaster relief efforts. Spending every moment in service with enthusiasm, he has inspired millions to engage in humanitarian initiatives and take up innovative projects, creating a replicable, scalable and sustainable model for social development. The Art of Living & IAHV are today among the largest volunteer-based organisations with global initiatives in the areas of conflict resolution, disaster and trauma relief, environment protection and water resource regeneration, poverty alleviation and rural development, eradication of corruption, education, community and individual empowerment, prisoner rehabilitation and equal opportunity campaigns. From Colombia to the insurgency-hit North East of India, he shows the path of peace even to dreaded militant groups, and brings solace to victims of conflicts of all kind.

4. Sri Sri Ravi Shankar founded India Against Corruption. He is Chairman of the Quality Control of India Yoga Certification Committee & a member of the Amarnath Shrine Board (appointed by Government of Jammu & Kashmir, India). He is also Chancellor of Sri Sri University. He has demystified the essence of yoga and Vedanta with profound commentaries on ancient wisdom which was traditionally kept secret.

5. Sri Sri Ravi Shankar has been honoured with many awards for his contribution to humanity in the fields of conflict resolution and the promotion of peace and human values including 'National Order of Merito de Comuneros'- Highest civilian award of Paraguay, 2012;' Orden de la Democracia Simon Bolivar- Highest civilian award of Colombia 2015, Humanitarian Award from the Municipality of Lima, Peru, 2015; Doctorate Honoris Causa, Universidad Autonoma de Asuncion of Paraguay, 2012, Diploma of Honour from the Buenos Aires University, 2012; Honoris Causa Doctor, Siglo XXI University Campus, Cordoba, Argentina, 2012; Tiradentes Medal in Rio, the highest honour from Rio de Janeiro State, 2012; Crans Montana Forum Award, Brussels, 2011; Order of the Pole Star, Mongolia, 2006, Bharat Shiromani Award, New Delhi, India, 2004, Title of Yoga Shiromani (Supreme Jewel of Yoga) by the President of India, 1986. The Andean parliament (Bolivia, Colombia, Ecuador and Peru) also awarded their highest degree, 'Medalla de la Integracion en el Grado de Gran Oficial' to Sri Sri at their General Secretariat in Lima, Peru. He is the first Indian to be bestowed this award.